श्रीनगर में फंसे मंडला के चमन दास को जिला प्रशासन ने कराया मुक्त

लौटा परिवार का खोया सुकून

मंडला, देशबन्धु। संकट के समय जब उम्मीदें टूटने लगी थीं, तब जिला प्रशासन और पुलिस विभाग हमारे लिए देवदूत बनकर सामने आए। आज मेरा बेटा सुरक्षित मेरे पास है, तो सिर्फ सरकार और प्रशासन की मुस्तैदी की वजह से। यह भावुक कर देने वाले शब्द मण्डला जिले के विकासखंड मवई के वन ग्राम सैंदा निवासी धनेश्वर दास मोंगरे के हैं, जिनका बेटा चमन दास मोंगरे श्रीनगर में प्लेसमेंट एजेंसी के कारण जबरन मजदूरी कराए जाने के चंगुल से सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है।

तीर्थ यात्रा से लौटते समय हुआ था लापता

प्राप्त जानकारी के अनुसार चमन दास मोंगरे पिता धनेश्वर दास मोंगरे गत 7 मई को तीर्थ स्थल घूमने के उद्देश्य से

असम गया था। वहाँ से वापस मण्डला लौटते समय 15 मई को उसने दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुँचकर अपने पिता को मोबाइल से सूचना दी थी कि वह तीन दिनों के भीतर मण्डला लौट आएगा। लेकिन इसके बाद उसका कोई अता-पता नहीं चला और परिवार गहरी चिंता में डूब गया।

श्रीनगर में बंधक बनाकर कराया जा रहा था काम

विगत 8-10 दिन पूर्व पीड़ित चमन दास ने अज्ञात मोबाइल नंबरों से किसी तरह अपने पिता से संपर्क किया। उसने अत्यंत डरी हुई आवाज में बताया कि उसे वर्तमान में श्रीनगर में किसी मेडिकल दुकान पर बंधक बनाकर जबरन काम कराया जा रहा है। दुकान मालिक ने उसका मोबाइल भी छीन लिया है, उसे ठीक से खाना नहीं दिया जा रहा और मजदूरी मांगने पर प्रताड़ित किया जा रहा है। इस बातचीत के बाद फोन अचानक बंद हो गया, जिससे अनहोनी की आशंका और बढ़ गई।

प्रशासनिक तालमेल और त्वरित एक्शन से मिली सफलता

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए जिला प्रशासन मण्डला ने तत्काल संज्ञान लिया। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे एवं जिला प्रशासन के कुशल मार्गदर्शन में श्रम विभाग, पुलिस विभाग और मवई थाना प्रभारी की एक संयुक्त टीम सक्रिय की गई। प्रशासन ने तकनीकी साक्ष्यों और प्राप्त मोबाइल नंबरों के आधार पर श्रीनगर स्थानीय प्रशासन व पुलिस से तुरंत संपर्क साधा। मण्डला पुलिस और मवई टीआई के निरंतर समन्वय तथा लेबर विभाग की त्वरित कानूनी कड़ाई के चलते, आखिरकार श्री चमन दास मोंगरे को श्रीनगर के उस ठिकाने से सकुशल रेस्क्यू कर लिया गया।

घर लौटा चमन, परिवार ने जताया आभार

चमन दास मोंगरे के सुरक्षित वापस मण्डला लौटने पर उसके परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है। पीड़ित के पिता श्री धनेश्वर दास मोंगरे ने मुख्यमंत्री, जिला प्रशासन, मण्डला पुलिस, श्रम विभाग और विशेष रूप से मवई टीआई के प्रति सहृदय आभार व्यक्त किया है।

जनसमस्याओं के समाधान के लिए जनकल्याण शिविर आयोजित

एक ही मंच पर मिला विभिन्न योजनाओं का लाभ

भुआ बिछिया, देशबन्धु। नगर परिषद के प्रागंण में विनोद रंगमच में आज जनकल्याण शिविर 15 जून 17 जून तक संचालित किया जा रहा हैं शासन की मंशा के अनुरूप पात्र हितग्राहियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले में लगातार जनकल्याण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

शासन एवं जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार शिविरों में उपस्थित विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा आवेदनों का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर अधिकांश मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया। साथ ही पात्र हितग्राहियों को विभिन्न

शासकीय योजनाओं के अंतर्गत लाभ भी वितरित किए गए। इस दौरान पेंशन स्वीकृति पत्रों सहित अन्य योजनाओं के हितलाभ प्रदान कर पात्र नागरिकों को लाभान्वित किया गया। उक्त शिविर में मंडला सासंद फग्गन सिंह कुलस्ते, जिला पंचायत मंडला अध्यक्ष संजय कुशराम, परिषद अध्यक्ष रजनी मरावी,नीरत भट्ट , अशोक नानकानी, शशिकांत श्रीवास्तव, विजय आनंद मरावी, प्यारे लाल कोराम, चन्द्र कुमार झारिया, जमुना यादव, योगेश यादव, सोभित रावत, नरेश राजपूत, ओमप्रकाश यादव, राकेश् यादव, देवी यादव, अतुल कटारे, सुनीता ताम्रकार, उपयंत्री एचआर कुरैशी, नारायण परते अशोक यादव, संदीप राजपूत, मनोज निगम अनिता रजक, कौशल्या तेकाम एवं नगर के वरिषठ नागरिक गण की गरिमामय उपस्थिती में शिविर संचालित हुआ हैं।

सार-समाचार

सोमवती अमावस्या पर नर्मदा स्नान बना हादसे का कारण, युवक की डूबने से मौत

मंडला, देशबन्धु। सोमवती अमावस्या के अवसर पर नर्मदा स्नान के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच रपटा घाट एनीकट पर एक दुखद हादसा हो गया। स्नान के दौरान गहरे पानी में चले जाने से 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसके दो साथियों को समय रहते बचा लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिंझिया निवासी भरत पटेल (18) अपने कुछ मित्रों के साथ नर्मदा स्नान के लिए रपटा घाट पहुंचा था। घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। स्नान के दौरान भरत और उसके दो साथी एनीकट के उस हिस्से में पहुंच गए जहां पानी अधिक गहरा था। बताया जाता है कि ढलान वाले क्षेत्र में संतुलन बिगड़ने से तीनों युवक गहरे पानी में चले गए। घटना को देख आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल बचाव का प्रयास किया। स्थानीय नागरिकों और मछुआरों की मदद से दो युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, लेकिन भरत पानी में लापता हो गया। सूचना मिलने पर खोजबीन शुरू की गई और कुछ समय बाद उसे पानी से बाहर निकाला गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाहर निकाले जाने के समय युवक में जीवन के संकेत दिखाई दे रहे थे। उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद घाट पर मौजूद लोगों में नाराजगी देखी गई।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सोमवती अमावस्या जैसे विशेष अवसर पर भारी भीड़ की संभावना पहले से थी, फिर भी सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए। लोगों ने गहरे जल क्षेत्र में सुरक्षा बैरिकेड, चेतावनी संकेतक और प्रशिक्षित बचाव दल की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है तथा आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

मंडला को व्यवस्थित करने का संकल्प आम आदमी पार्टी का है

मंडला, देशबन्धु। संपूर्ण मां नर्मदा परिक्रमा मार्ग जैसे मंडला में (कारीकोन तिराहे से गैस गोदाम) पर स्थित मांसाहार की दुकानों को अन्य जगह स्थानांतरित करने हेतु कल जनसुनवाई में आम आदमी पार्टी मंडला देगी आवेदन।

मंगलवार 16 जून को आम आदमी पार्टी मंडला हिंदुओं की सबसे पवित्र यात्रा में से एक मां नर्मदा परिक्रमा के मार्ग पर लगने वाली दुकानों को अन्य जगह पर स्थानांतरित करने हेतु आवेदन देंगे। ताकि परिक्रमा वासियो की यात्रा को सफल बनाने में मंडला सहयोग करे। साथ ही उस जगह पर क्रेशर और गैस गोदाम होने के कारण वहां कभी भी दुर्घटना का खतरा बना रहता है और वहां के रहवासियों और राहगीरो को प्रत्येक दिन परेशानियों का सामना करना पड़ता है। और इस भीड़भाड़ के कारण वहां के व्यापारियों का व्यापार भी प्रभावित होता है। अत: कल आम आदमी पार्टी मंडला जनसुनवाई में मांग करेगी कि इन दुकानों को आस पास किसी खाली स्थान पर स्थानांतरित किया जाए ताकि उनका व्यापार भी बढ़े। और परिक्रमवासियों की आस्था भी प्रभावित न हो।

ग्राम पंचायतों में जल गुणवत्ता परीक्षण के लिए प्रशिक्षण और फील्ड टेस्ट किट बांटे

मंडला, देशबन्धु। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा व्यापक जल गुणवत्ता परीक्षण एवं जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देश एवं विभागीय अधिकारियों के मार्गदर्शन में जिले की सभी ग्राम पंचायतों में जल स्त्रोतों की नियमित जांच सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

अभियान के तहत सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पंप ऑपरेटरों एवं ग्रामीण नागरिकों को फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से जल गुणवत्ता परीक्षण का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण उपरांत प्रत्येक ग्राम पंचायत को एक-एक फील्ड टेस्ट किट वितरित की जा रही है, जिससे ग्राम स्तर पर पेयजल स्त्रोतों की नियमित जांच की जा सके। विभाग द्वारा उपखंड मवई, नारायणगंज, नैनपुर, मंडला एवं निवास में संचालित जल परीक्षण प्रयोगशालाओं में भी नियमित रूप से जल नमूनों की जांच की जा रही है। परीक्षण के आधार पर जल गुणवत्ता का आकलन कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। वर्षा ऋतु में जल स्त्रोतों के दूषित होने की संभावना को देखते हुए विभाग ने बारिश से पहले और बाद में विशेष जल गुणवत्ता परीक्षण की व्यवस्था की है। इसके साथ ही विशेष टीमों द्वारा विभिन्न ग्रामों और पेयजल स्त्रोतों का नियमित क्लोरीनीकरण भी कराया जा रहा है, ताकि नागरिकों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सके। जनजागरूकता अभियान के तहत ग्रामीणों को जलजनित बीमारियों से बचाव, पानी को उबालकर अथवा शुद्ध कर उपयोग करने तथा स्वच्छ पेयजल के महत्व के बारे में जानकारी दी जा रही है।

विशेष भोज के फरमान से मिड-डे मील समूह बेहाल कर्ज के बोझ तले दबे समूह

गैस नहीं, बजट नहीं, फिर कैसे बनेगा बच्चों का भोजन?

मंडला, देशबन्धु। मंडला जिले में शिक्षा व्यवस्था की बदहाली के बीच अब मध्यान्ह भोजन (मिड-डे मील) योजना भी गंभीर संकट से जूझती नजर आ रही है। शासन द्वारा बार-बार 'विशेष भोज' आयोजित करने के आदेश तो जारी किए जा रहे हैं, लेकिन इसके लिए अलग से बजट उपलब्ध नहीं कराया जा रहा। नतीजतन बच्चों को भोजन उपलब्ध कराने वाले स्व-सहायता समूह आर्थिक संकट में फंसते जा रहे हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि कई समूह कर्ज लेकर विशेष भोज कराने को मजबूर हैं, जबकि दूसरी ओर रसोई गैस की उपलब्धता न होने से नियमित भोजन बनाना भी चुनौती बन गया है।

विशेष भोज का आदेश, लेकिन भुगतान का कोई प्रावधान नहीं-जानकारी के अनुसार नए शिक्षा सत्र की शुरुआत के अवसर पर 1 अप्रैल को विशेष भोज आयोजित कराया गया था। अब 16 जून से स्कूल खुलने पर फिर से विशेष भोज कराने के आदेश जारी किए गए हैं। समूह संचालकों का कहना है कि शासन केवल आदेश जारी कर देता है, लेकिन विशेष भोज के लिए अतिरिक्त राशि नहीं देता। ऐसे में हर बार अतिरिक्त खर्च समूहों को अपनी जेब से वहन करना पड़ता है। समूहों का आरोप है कि योजना का उद्देश्य बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना है, लेकिन बिना आर्थिक प्रावधान के बार-बार विशेष भोज का दबाव बनाना उनके लिए आर्थिक शोषण जैसा बन गया है। लगातार बढ़ती महंगाई के बीच खाद्य सामग्री की कीमतें पहले ही बढ़ चुकी हैं, ऐसे में अतिरिक्त व्यय उठाना उनके लिए मुश्किल होता जा रहा है।

रसोई गैस के बिना कैसे पकेगा भोजन?-मामले का दूसरा गंभीर पहलू रसोई गैस की अनुपलब्धता है। कई समूहों को अब तक गैस कनेक्शन संबंधी आवश्यक कार्ड या स्वीकृतियां नहीं मिल सकी हैं। इसके कारण गैस एजेंसियां नियमित रूप से सिलेंडर उपलब्ध नहीं करा पा रही हैं। समूहों का कहना है कि जब गैस ही उपलब्ध नहीं होगी तो हजारों बच्चों के लिए भोजन कैसे तैयार किया जाएगा। समूह संचालकों ने मांग की है कि स्कूलों में संचालित मध्यान्ह भोजन योजना के लिए गैस एजेंसियों को विशेष निर्देश जारी किए जाएं और समूहों को प्राथमिकता के आधार पर सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए। उनका कहना है कि प्रशासनिक लापरवाही का खामियाजा न तो समूहों को भुगतना चाहिए और न ही स्कूली बच्चों को।

शिक्षा व्यवस्था पर भी उठ रहे सवाल-जिले में पहले से ही शिक्षकों की मुख्यालय से अनुपस्थिति और शैक्षणिक गुणवत्ता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में मध्यान्ह भोजन योजना में पैदा हो रहा यह नया संकट सरकारी दावों की पोल खोलता दिखाई दे रहा है। एक ओर सरकार स्कूलों में नामांकन बढ़ाने और बच्चों को बेहतर सुविधाएं देने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर भोजन व्यवस्था संभालने वाले समूह मूलभूत संसाधनों और भुगतान के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

प्रशासन की चुप्पी से बढ़ रहा असंतोष-समूहों का कहना है कि यदि शासन को विशेष अवसरों पर विशेष भोज कराना है तो उसके लिए अलग बजट निर्धारित किया जाए। केवल आदेश जारी कर जिम्मेदारी समूहों पर डाल देना न्यायसंगत नहीं है। लगातार बढ़ते आर्थिक दबाव और गैस संकट के कारण समूहों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

सवाल जो जवाब मांगते हैं-जब विशेष भोज के लिए अलग बजट नहीं है तो बार-बार आदेश क्यों? रसोई गैस की व्यवस्था किए बिना भोजन बनाने का दबाव क्यों? क्या योजनाओं का बोझ अब गरीब स्व-सहायता समूहों के कंधों पर डाला जा रहा है?आखिर बच्चों के पोषण से जुड़े इतने महत्वपूर्ण विषय पर प्रशासन कब जागेगा? मंडला में मिड डे मील योजना की जमीनी हकीकत यह संकेत दे रही है कि कागजों पर चल रही व्यवस्थाएं धरातल पर संसाधनों के अभाव और प्रशासनिक उदासीनता की भेंट चढ़ रही हैं। यदि समय रहते समाधान नहीं निकाला गया तो इसका सीधा असर हजारों स्कूली बच्चों के पोषण और शिक्षा दोनों पर पड़ सकता है।

जनकल्याण शिविरों के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा योजनाओं का लाभ: सांसद कुलस्ते

मंडला,देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बिछिया विकासखंड की ग्राम पंचायत कटंगा माल के पोषक ग्राम भानपुर खेड़ा तथा नगर परिषद बिछिया में जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंडला संसदीय क्षेत्र के सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने सहभागिता कर ग्रामीणजनों एवं नागरिकों को संबोधित किया।

सांसद श्री कुलस्ते ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक विकास और सुविधाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में अंत्योदय और जनकल्याण की भावना को साकार करते हुए करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। विकसित भारत के संकल्प को मजबूत बनाने में ऐसे जनकल्याण शिविर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक किया गया। सांसद श्री कुलस्ते ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन की सभी योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचना सुनिश्चित किया जाए, ताकि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि जनसेवा, सुशासन और अंत्योदय के संकल्प के साथ सरकार निरंतर गरीब, किसान, महिला, युवा एवं वंचित वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। जनकल्याण शिविरों के माध्यम से आमजन की समस्याओं का समाधान और योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा रहा है। जनकल्याण शिविर में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए बनाई गई हैं।

कार्यक्रम में डॉ. विजय आनंद मरावी ने शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि अनेक परिवारों के जीवन में शासकीय योजनाओं के माध्यम से सकारात्मक परिवर्तन आया है। आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वरोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर नागरिक आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हुए हैं। उन्होंने कहा कि योजनाओं से लाभान्वित हितग्राही सरकार के प्रति आभार व्यक्त कर रहे हैं तथा अन्य लोगों को भी इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

जन कल्याण शिविर में प्राप्त आवेदनों को गंभीरता से लें, समुचित निराकरण भी सुनिश्चित करें : कलेक्टर

मंडला, देशबन्धु। जिला योजना भवन में समय-सीमा और विभागीय समन्वय समिति की बैठक का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने कहा कि टीएल पत्रों को गंभीरता से लें, जिला अधिकारी प्रकरण का स्वयं फॉलोअप करें और समय पर समुचित निराकरण सुनिश्चित करें।

ग्रामीण आबादी भूमि, कुटुंब न्यायालय, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस बालिका छात्रावास, पांडुलिपि मिशन, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना, सीमांकन, अभिलेख दुरुस्ती, अपार आईडी, हेलिपेड मरम्मत, प्रधानमंत्री मानधन योजना से जुड़े टीएल प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री धोटे ने जिले में किसानों के लिए अतिरिक्त आय अर्जन गतिविधियों के लिए मत्स्यपालन, उद्यानिकी और कृषि की कार्य योजना तैयार करने के लिए विभागवार प्लानिंग की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि बरगी बैक वॉटर एरिया में जिले के मत्स्य पालक परिवारों के लिए केज कल्चर के लिए प्लान करें। यह प्लान मत्स्य महासंघ के अतिरिक्त किया जाना है। उन्होंने कहा कि बैक वॉटर के ऐसे क्षेत्रों का चिन्हांकन करें जहाँ वर्ष भर 20 से 25 फीट पानी रहता है। संबंधित क्षेत्र में मछुआ समूहों की बैठक आयोजित कर आवेदन प्राप्त करें। उन्होंने जिले के अन्य हिस्सों में बायोफ्लॉक में मत्स्य पालन कराने के लिए वृहद प्लान करने को कहा। उद्यानिकी फसलों के लिए इस खरीफ सीजन में रकबा बढ़ाने के लिए कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि उद्यानिकी फसलों के जरिये कृषकों की आय में वृद्धि होती है। उन्होंने औषधीय पौधों की खेती के लिए काली हल्दी, काली तुलसी, अश्वगंधा, ड्रेगन फ्रूट, मशरूम जैसी फसलों के लिए किसानों को प्रेरित करते हुए इसका रकबा बढ़ाने के निर्देश दिये। उन्होंने उपसंचालक कृषि को निर्देशित किया कि इसके लिए सहायक संचालक उद्यानिकी के साथ समन्वित प्लान बनायें। 12 जून से 18 जून तक जनपद तथा नगरीय निकायों में आयोजित किये जा रहे जन कल्याण शिविरों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि जिले में विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून से ही ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित किये जा रहे हैं।

बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने 5 जून को सौंपा था पत्र, धरातल पर कार्रवाई अब तक नहीं

बेहतर शिक्षा पर सत्र की शुरुआत से ही सवाल, बच्चों के भविष्य पर संकट

मण्डला, देशबन्धु। नवीन शिक्षा सत्र 8 जून से प्रारंभ होने से पूर्व जिले के सभी शासकीय-अशासकीय विद्यालयों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग को लेकर पालक महासंघ के पदाधिकारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता पी.डी. खैरवार व चंद्रगुप्त नामदेव ने 5 जून को जिला स्त्रोत समन्वयक, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास तथा सहायक संचालक शिक्षा को पत्र सौंपकर चर्चा की थी पर दस दिन बाद भी कोई कार्रवाई नहीं। जिससे इस शिक्षा सत्र में भी भी बच्चों की अच्छी शिक्षा पर सवाल ही सवाल खड़े हो रहे हैं।

पत्र में बताया गया था,कि स्कूलों में अति आवश्यक सुविधाओं के अभाव में बच्चों का पढ़ाई से मोहभंग होता सा जा रहा है। जिससे बच्चे असामाजिक गतिविधियों की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे सशक्त समाज और समृद्ध भारत की परिकल्पना बाधित हो रही है। स्कूलों के खोले जाने से पहले अति आवश्यक सुविधाओं को दुरुस्त कर लिए जाने की सख्त जरूरत पत्र में बताई गई थी। जिसके लिए प्रशासन भी लगातार लगा ही रहता है पर नतीजा सिफर।

पत्र में उठाए गए प्रमुख मुद्दे

1. शिक्षक संकट: दूरस्थ क्षेत्रों में अतिथि शिक्षक भर्ती, शिक्षकों की संख्या संतुलित करना, खेल, संगीत, योग शिक्षकों की नियुक्ति। नशे के आदी व लापरवाह शिक्षकों को हटाना तथा गैर-शैक्षणिक कार्य बंद कराना।

2. पर्याप्त स्टाफ: प्रत्येक स्कूल में सफाईकर्मी, भृत्य, चौकीदार, क्लर्क व कम्प्यूटर ऑपरेटर की भर्ती ताकि शिक्षक सिर्फ अध्यापन कार्य करें।

3. जर्जर भवन: कक्षों की कमी व जर्जर भवनों की मरम्मत या पुनर्निर्माण।

4. शुद्ध पेयजल: नल-जल कनेक्शन व हैंडवाश यूनिट सुधार। मण्डला के बुजबुजिया घोड़ाडीह प्रा. शाला में दूषित पानी से बच्चों के दांत खराब हो रहे हैं।

5. अन्य सुविधाएं: समय पर सबको पाठ्य-पुस्तकों का वितरण,ड्रेस वितरण, साइकिल वितरण, स्कूलों को राशि , समतल खेल मैदान, खेल सामग्री, बिजली, पंखे-कूलर, शौचालय, व्यवस्थित रसोईघर, बाउंड्री वॉल, सुगम पहुंच मार्ग व अधूरे निर्माण पूर्ण कराना।

स्कूलों/छात्रावासों में गैस सिलेंडर संकट

रसोई गैस सिलेंडर की रिफिलिंग में भारी समस्या चल रही है। बिना गैस के हजारों बच्चों का मध्यान्ह भोजन और छात्रावास का खाना कैसे बनेगा? इसका सीधा असर गरीब-आदिवासी बच्चों की पढ़ाई पर पड़ेगा। तत्काल गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की गई है।

चेतावनी: पत्र में कहा गया कि स्कूलों में आवश्यक सुविधाओं के अभाव में घर जैसा माहौल न मिलने से विद्यार्थियों का पढ़ाई और स्कूल के रति मोह भंग हो जाता है। स्कूलों से वे मन से नहीं जुड़ पाते हैं। पलायन, नशे, अंधविश्वास व भिक्षावृत्ति की ओर मुड़ते जा रहे हैं। इसका दुष्प्रभाव परीक्षा परिणाम व मानसिक-बौद्धिक स्तर पर पड़ रहा है। सभी विद्यालयों में सुविधाओं की बारीकी से जांच कराकर बिंदुवार शीघ्र कार्रवाई करे।